सरिता प्रवाह ब्यूरो
हर रोज आपकी चाह
सरिता प्रवाह ब्यूरो
saritapravah14@gmail.com
लखनऊ, शुक्रवार 25 नवंबर, 2016
लखनऊ
www.saritapravah.in

पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रयास की आवयकता : पाठक

लखनऊ । ''धरती के ऊर्जा स्रोत, पर्यावरण तथा आपदा विज्ञान ' चुनौतियाँ व रणनीतियाँ'' विषयक दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 19 व 20 नवम्बर, 2016 को प्रबुद्ध वक्ताओं ने महत्वपूर्ण सुझाव व शोध-पत्र प्रस्तुत किये।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि माननीय प्रमुख सचिव, प्राविधिक षिक्षा, उ0प्र0 शासन सुश्री मोनिका एस0 गर्ग ने स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइन्सेज, लखनऊ, डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि, काउन्सिल ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नॉलाजी उ0प्र0 तथा इस्ट्टीयूषन ऑफ इंजीनियर्स, यूपी स्टेट चैप्टर, के सहयोग से आयोजित इस संगोष्ठी की सामयिकता एवं महत्व की भूरि-भूरि प्रषंसा की।

उद्घाटन समारोह में मा0 प्रमुख सचिव ने अपने वक्तव्य में अंधाधुंध एवं अनियोजित विकास के इस माडल को, जोकि प्राकृतिक संसाधनों के असंवेदनषील दोहन की कीमत पर हो रहा है, को पूरी तरह खारिज किया। उन्होंने इस दिषा में उ0प्र0 सरकार के विभिन्न प्रयासों तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से अवगत कराया। सुश्री गर्ग ने उपस्थित विद्व्तजनों को देष की उस गौरवषाली परम्परा की याद दिलायी जिसमें मानव एवं प्रकृति में अपूर्व सामंजस्य था। उन्होंने कहा कि हमारा भविष्य हमारे अतीत की नींव पर खड़ा है तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु हम सभी को छोटे - छोटे कदम उठाकर पहल करने की आवष्यकता है। आवष्यकता न होने पर कमरे के बल्ब आदि बुझा देने तथा कार पूलिंग इत्यादि से वाहन जनित प्रदूषण को कम किया जा सकता है। अपने छोटे-छोटे प्रयासों से हम प्रदूषण रहित भविष्य की संरचना में सफल होंगे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति डा.एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विष्वविद्यालय श्री विनय पाठक जी ने कहा ''पर्यावरण और अध्यात्म एक दूसरे से जुड़े हैं तथा हमें सृष्टि के साथ सामान्जस्य बनाकर रहना होगा, सृष्टि को प्रभावित भी मनुष्य ही करता है। पेड़ो कों अंधाधुंध काटने के रोकने की जरूरत है। प्रकृति से हम ज्यादा ले रहे है तथा दे कम रहे है, प्रकृति हमें वही वापस करेगी जो हम उससे लेंगें। संगोष्ठी में देष-विदेष के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से आये

हुये वैज्ञानिकों तथा शोध छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियों में पर्यावरण संरक्षण की विभिन्न चुनौतियों एवं समाधानों को रेखांकित किया। विषिष्ट अतिथि निदेशक, राजकीय इंजीनियरिंग कालेज, बांदा, प्रो. डीएस यादव ने अपने सम्बोधन में कहा : ''जब हम पर्यावरण में बदलाव की बात करते हैं तब उसका उद्देष्य धरती पर बढ़ रहे तापमान व मौसम में बदलाव से होता है। दिनों-दिन हमारी धरती का तापमान बढ़ रहा है और इसका मुख्य कारण धरती के वायुमण्डल में कार्बन-डाई-आक्साइड का घनत्व तथा तापमान का बढ़ना है। हमारा अनियंत्रित ऊर्जा उपयोग वायुमण्डलीय ताप वृद्धि का एक मुख्य कारक है एवं सड़कों पर बढ़ते हुये वाहन, एयर कंडीषनर, कम्प्यूटर तथा अन्य विद्युत संयत्रों के बढ़ते हुये उपयोग से धरती के वायुमण्डलीय तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। हम विकास का मूल्य चुका रहे है, जो हमें प्रदूषित हवा, जल तथा कीटनाषकयुक्त फलों व सब्जियों के रूप में दिखाई दे रहा है। एमएनएनआईटी इलाहाबाद के प्रो. विनोद यादव ने उपस्थित विद्वतजनों को गुरूमंत्र देते हुए कहा : पर्यावरण का मुद्दा दुनिया के अस्तित्व को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।